हिन्दी और भारतीय संस्कृति

विश्व हिन्दी सम्मेलन

मॉरीशस, 18–20 अगस्त, 2018

विश्व हिन्दी परिषद

हिन्दी भाषा विश्व भाषा

वसुधैव कुटुम्बकम्

विश्व हिन्दी परिषद

एस.1, द्वितीय तल, उपहार सिनेमा व्यावसायिक परिसर, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली–110016, फोनः 011–41021455, 9835294766

ई–मेल : mail.hindiparishad@gmail.com, वेबसाईटः www.vishwahindiparishad.org

https://www.facebook.com/vishwahindiparishad/

85860 16348

जिस भाषा में तुलसीदास जैसे कवि ने कविता की हो, वह अवश्य ही पवित्र है और उसके सामने कोई भाषा नहीं ठहर सकती।

– महात्मा गाँधी

अगर हिंदुस्तान को सचमुच आगे बढ़ना है, तो चाहे कोई माने या न माने, राष्ट्रभाषा तो हिंदी ही बन सकती है, क्योंकि जो स्थान हिंदी को प्राप्त है, वह किसी और भाषा को नहीं मिल सकता है।

– महात्मा गाँधी

राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूंगा है। मेरा यह मत है कि हिंदी ही हिंदुस्तान की राष्ट्रभाषा हो सकती है और होनी चाहिए।

– महात्मा गाँधी

जनता की बात जनता की भाषा में होनी चाहिए।

– महात्मा गाँधी

यद्यपि मैं उन लोगों में से हूँ, जो चाहते हैं और जिनका विचार है कि हिंदी ही भारत की राष्ट्रभाषा हो सकती है।

– लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक

है भव्य भारत ही हमारी मातृभूमि हरी भरी।
हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा और लिपि है नागरी।

– मैथिलीशरण गुप्त

हिन्दी एक जानदार भाषा है। वह जितनी बढ़ेगी, देश का उतना ही नाम होगा।

– जवाहर लाल नेहरू

हिंदी भारतवर्ष के हृदय–देश स्थित करोड़ों नर–नारियों के हृदय और मस्तिष्क को खुराक देने वाली भाषा है।

– हजारीप्रसाद द्विवेदी

इस समग्र देश की एकता के लिए हिंदी अनिवार्य है।

– राजा राममोहन राय

हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा तो है ही, यही जनतंत्रात्मक भारत में राजभाषा भी होगी।

– सी. राजागोपालाचारी

जो राष्ट्रप्रेमी है, उसे राष्ट्रभाषा प्रेमी होना चाहिए।

– रंगनाथ रामचंद्र दिवाकर

हिंदी को गंगा नहीं बल्कि समुद्र बनना होगा।

– आचार्य विनोबा भावे

देश के विभिन्न भागों के निवासियों के व्यवहार के लिए सर्वसुगम और व्यापक तथा एकता स्थापित करने के साधन के रूप में हिंदी का ज्ञान आवश्यक है।

– सी. पी. रामास्वामी अय्यर

हिंदी ही उत्तर और दक्षिण को जोड़ने वाली समर्थ भाषा है।

– अनन्त शयनम अयंगर

लोग अपनी–अपनी मातृभाषा की रक्षा करते हुए सामान्य भाषा के रूप में हिन्दी को ग्रहण करें।

– अरविंद दर्शन के प्रणेता अरविंद घोष

11वां विश्व हिन्दी सम्मेलन

11वां विश्व हिंदी सम्मेलन विदेश मंत्रालय द्वारा मॉरीशस सरकार के सहयोग से 18–20 अगस्त 2018 तक मॉरीशस में आयोजित किया जा रहा है। 11वें विश्व हिंदी सम्मेलन को मॉरीशस में आयोजित करने का निर्णय सितंबर 2015 में भारत के भोपाल शहर में आयोजित 10वें विश्व हिंदी सम्मेलन में लिया गया था।

पहला विश्व हिंदी सम्मेलन 1975 में नागपुर, भारत में आयोजित किया गया था। तब से, विश्व के अलग–अलग भागों में, ऐसे 10 सम्मेलनों का आयोजन किया जा चुका है। अभी तक पूर्व में आयोजित 10 सम्मेलनों के ब्यौरे इस प्रकार हैं:

1.	प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन	नागपुर, भारत	10–12 जनवरी, 1975
2.	द्वितीय विश्व हिन्दी सम्मेलन	पोर्ट लुई, मॉरीशस	28–30 अगस्त, 1976
3.	तृतीय विश्व हिन्दी सम्मेलन	नई दिल्ली, भारत	28–30 अक्टूबर, 1983
4.	चतुर्थ विश्व हिन्दी सम्मेलन	पोर्ट लुई, मॉरीशस	02–04 दिसम्बर, 1993
5.	पांचवां विश्व हिन्दी सम्मेलन	पोर्ट ऑफ स्पेन, ट्रिनिडाड एण्ड टोबेगो	04–08 अप्रैल, 1996
6.	छठा विश्व हिन्दी सम्मेलन	लंदन, यू. के.	14–18 सितम्बर, 1999
7.	सातवां विश्व हिन्दी सम्मेलन	पारामारिबो, सूरीनाम	06–09 जून, 2003
8.	आठवां विश्व हिन्दी सम्मेलन	न्यूयार्क, अमरीका	13–15 जुलाई, 2007
9.	नौवां विश्व हिंदी सम्मेलन	जोहांसबर्ग, दक्षिण अफ्रीका	22–24 सितंबर, 2012
10.	दसवां विश्व हिंदी सम्मेलन	भोपाल, भारत	10–12 सितंबर, 2015

11वें विश्व हिंदी सम्मेलन के लिए विदेश मंत्रालय नोडल मंत्रालय है। व्यवस्थित एवं निर्बाध रूप से सम्मेलन के आयोजन के लिए विभिन्न समितियाँ गठित की गई हैं। सम्मेलन का मुख्य विषय हिंदी विश्व और भारतीय संस्कृति है। सम्मेलन का आयोजन स्थल स्वामी विवेकानंद अंतर्राष्ट्रीय सभा केंद्र पाई, मॉरीशस है।

सम्मेलन स्थल पर हिंदी भाषा के विकास से संबंधित कई प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी। सम्मेलन के दौरान शाम को भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, नई दिल्ली द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम और कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

दैनिक सम्मेलन–समाचार पत्र (सम्मेलन–समाचार), सम्मेलन–स्मारिका और शैक्षिक सत्रों में हुई चर्चाओं और सुझावों के आधार पर एक सम्मेलन रिपोर्ट भी प्रकाशित की जाएगी। विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस की सम्मेलन सामग्रियों को तैयार करने और प्रकाशन में महत्वपूर्ण भूमिका होगी। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद द्वारा गगनांचल का विशेष अंक निकाला जाएगा जो सम्मेलन को समर्पित होगा।

परंपरा के अनुरूप सम्मेलन के दौरान भारत एवं अन्य देशों के हिंदी विद्वानों को हिंदी के क्षेत्र में उनके विशेष योगदान के लिए विश्व हिंदी सम्मान" से सम्मानित किया जाएगा।

मॉरीशस के बारे में सामान्य जानकारियाँ

मॉरीशस : मॉरीशस अफ्रीका के तट से लगभग 2000 किमी० दूर हिंद महासागर के दक्षिण पश्चिम में ठीक मकर रेखा के ऊपर स्थित है। 12 मार्च, 1968 से एक लोकतांत्रिक देश और 12 मार्च, 1992 से एक गणराज्य के तौर पर मॉरीशस में एक 70 सदस्यीय राष्ट्रीय असेंबली है, जिसका निर्वाचन सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के जरिए किया जाता है। मॉरीशस गणराज्य के राष्ट्रपति राष्ट्राध्यक्ष हैं। प्रधानमंत्री, जो मंत्रिमंडल की अध्यक्षता करते हैं, शासनाध्यक्ष हैं और उनके पास कार्यकारी शक्तियाँ हैं।

पोर्ट लुई–राजधानी : पोर्ट लुई की स्थापना वर्ष 1735 में फ्रांसीसी गवर्नर माहे दे लेबॉर्डोनाइस द्वारा की गई थी। यह मॉरीशस की राजधानी तथा यहाँ का मुख्य शहर है। पोर्ट लुई बंदरगाह छतरीनुमा अर्द्धवृताकार पर्वत श्रृंखला के मध्य स्थित है। पोर्ट लुई शहर से सभी सरकारी कामकाज तथा लोक प्रशासन संचालित होता है और यहाँ राष्ट्रीय असेंबली तथा प्राईवेट क्षेत्र के कार्यालय स्थित हैं। यह देश का प्रमुख वाणिज्यिक केन्द्र भी है। कुछ विशिष्ट फ्रांसीसी औपनिवेशिक इमारतों की वास्तुकला फ्रांसीसी युग के अवशेषों को अब तक परिलक्षित करती है, विशेषतः गवर्नमेंट हाउस तथा म्युनिसिपल थिएटर।

दर्शनीय स्थलः अप्रवासी घाट (विश्व धरोहर स्थल), ग्रैंड बेसिन सेक्रेड लेक (गंगा तालाब), म्यूजियम ऑफ इंडियन इमीग्रेशन, एमजीआई, कॉडन वाटरफ्रंट, डोमेन लेस पायलेस, केलासन कोविल, यूरेका मायसन क्रियोल, मोहबर्ग संग्रहालय, पैम्पल मोसेस बॉटनिकल गार्डन, कैसेला बर्ड पार्क, ब्लैक रीवर गॉर्जेज नेशनल पार्क, चौमारेल कलर्ड अर्थ, ला वैनिले क्रोकोडाइल पार्क, ले ऑक्स सेफर्स, डोमेन ड्यू चेसूर, एल एडवेंचर ड्यू सूके, ली डोमेन डी वायलांग वायलांग, ली वल नेचर पार्क और ली मोर्ज कल्चरल लैंडस्केप (विश्व धरोहर स्थल), ब्लैक रीवर गोर्जेज और ब्लैक रीवर गोर्जेज नेशनल पार्क और समुद्र के आसपास की जगह।

शिष्टमंडल के सदस्यगण मॉरीशस में हिंदी भाषा तथा भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के कार्य से जुड़े संस्थानों जैसे महात्मा गाँधी संस्थान, हिंदी प्रचारिणी सभा, द रामायण सेंटर, इंदिरा गाँधी भारतीय संस्कृति केन्द्र, हिंदी भाषी यूनियन तथा भोजपुरी भाषी यूनियन भी जाना चाहेंगे।

भाषाएं : प्रशासनिक कार्यों की भाषा अंग्रेजी है। फ्रांसीसी भाषा का भी उपयोग होता है और बोलचाल की भाषा मॉरीशियन क्रिओल (क्रिओल मॉरीशियन) है। मॉरीशस में बड़ी संख्या में लोग हिंदी तथा भोजपुरी बोलते और समझते हैं। अन्य एशियाई भाषाएं भी इस देश की भाषाई विविधता का हिस्सा है।

मौसम तथा जलवायु : मॉरीशस की जलवायु उष्णकटिबंधीय है जहाँ नवम्बर से अप्रैल महीने तक गर्मी होती है और मई से अक्तूबर तक सर्दी का मौसम रहता है। गर्मी में औसत तापमान 24.7 डिग्री सेल्सियस और सर्दी में औसत तापमान 20.4 डिग्री सेल्सियस रहता है। अगस्त माह में तापमान सामान्यतः 16 डिग्री सेल्सियस से 22 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है।

पहनावा : दिन के समय उष्णकटिबंधीय कपड़े जैसे हल्के सूती वस्त्र अथवा लिनेन वस्त्र उपयुक्त होते हैं। शिष्टमंडल के सदस्यों को सलाह दी जाती है कि वे अपने गर्म कपड़े साथ लाएं और उन्हें अपनी राष्ट्रीय वेशभूषा में रहने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

स्वास्थ्य : मॉरीशस में कई सार्वजनिक तथा प्राइवेट अस्पताल हैं जो उत्तम सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। सम्मेलन स्थल के सबसे निकटतम अस्पतालों में शिष्टमंडल के सदस्यों के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। पोर्ट लुई में ए.जी. जीतू अस्पताल (दूरभाषः 230203–1001) और कैन्डोस, क्वात्रे बॉर्न्स में स्थित विक्टोरिया अस्पताल (दूरभाषः 2304253031)। सम्मेलन स्थल पर आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। शिष्टमंडल के सदस्यों तथा प्रतिभागियों को सलाह दी जाती है कि वे कुछ विशिष्ट चिकित्सा व्यय के लिए यात्रा बीमा तथा स्वास्थ्य बीमा करवा लें।

टीकाकरण : शिष्टमंडल के सदस्यों को सलाह दी जाती है कि वे मॉरीशस जाने से पहले टीकाकरण के बारे में सलाह लेने के लिए अपने स्थानीय डॉक्टरों से परामर्श कर लें। यदि संक्रमित क्षेत्र वाले देशों को छोड़ने अथवा वहाँ से गुजरने के बाद 10 दिनों के भीतर मॉरीशस पहुंच रहे हैं तो पित्त ज्वर (येलोफीवर) टीकाकरण प्रमाणपत्र जरूरी है।

संचार व्यवस्था (मोबाइल तथा इंटरनेट) : मॉरीशस के लिए अंतरराष्ट्रीय डायलिंग कोड़230 है। मॉरीशस में मोबाइल टेलीफोन तथा इंटरनेट कनेक्शन की स्थिति बहुत अच्छी है जिसके तहत अधिकांश सेवा प्रदाताओं से रोमिंग की अच्छी सुविधा मिल जाती है। ब्लैकवेरी कनेक्शन भी उपलब्ध है। अच्छे डाटा पैकेजों के साथ टेलीफोन कार्ड तथा सिम कार्ड दुकानों से आसानी से खरीदे जा सकते हैं।

संक्षिप्त परिचय - विश्व हिन्दी परिषद

विश्व हिन्दी परिषद लोक मंगल और सर्वकल्याण की भावना से अनुप्रदित हिन्दी भाषा के साधकों को प्रोत्साहित कर भाषा के उन्नयन और अविरल गति से चलने के प्रयास से जुटी अपने प्रयोजन और उद्देश्य को पूरा कर रही है।

हिन्दी प्रचार–प्रसार की सेवा में तत्पर कश्मीर से कन्याकुमारी तक के साहित्यकारों, हिन्दी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं जनता को एक मंच पर एकत्रित करके एवं उन्हें अनुप्रेरित करते हुए यह संस्था विगत एक दशक से अपनी भूमिका निभा रहे हैं।

इसका उद्देश्य हिन्दी को समाज सापेक्ष, व्यावहारिक, प्रकार्यात्मक, कामचलाऊ और साथ ही जीवंत हिन्दी को सिखाना है, क्योंकि मातृभाषा, अन्य भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा और अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में हिन्दी की विभिन्न भूमिका है। यह सभी हिन्दी प्रेमी, विद्वानों एवं चिंतकों को एकत्र करके समय–समय पर हिन्दी भाषा एवं साहित्य के प्रति उसके कर्तव्य को याद दिलाता है, और उनमें दायित्व को जागृत करता है।

विश्व हिन्दी परिषद द्वारा वर्ष में हिन्दी दिवस – 14 सितम्बर एवं विश्व हिन्दी दिवस – 10 जनवरी को मनाया जाता है।

हिन्दीं की सेवा में तत्पर हिन्दी प्रेमियों को बढ़ावा देने एवं उनके योगदान को सराहने के लिए हर वर्ष राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता है।

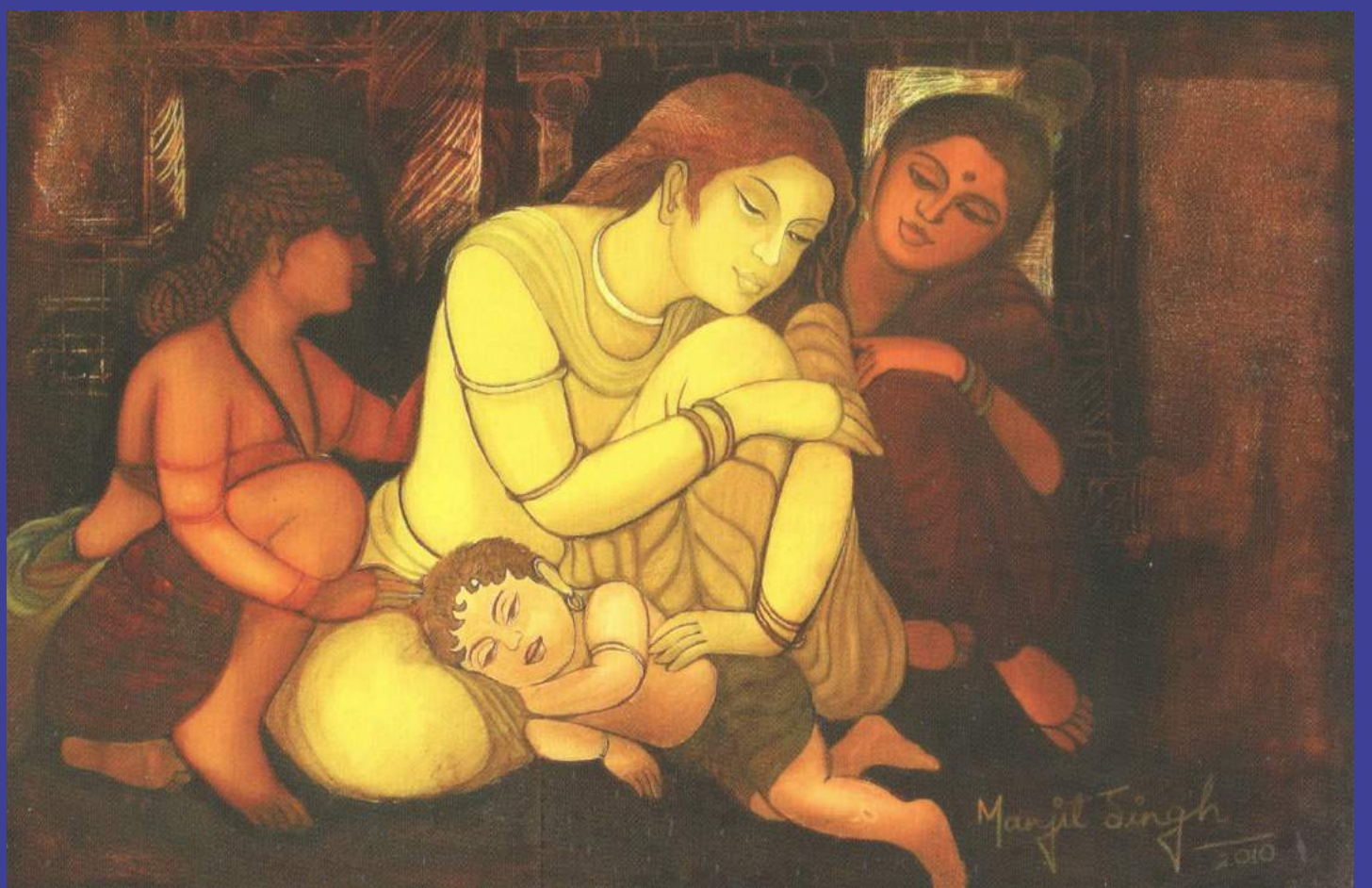
Manjit Singh
2010

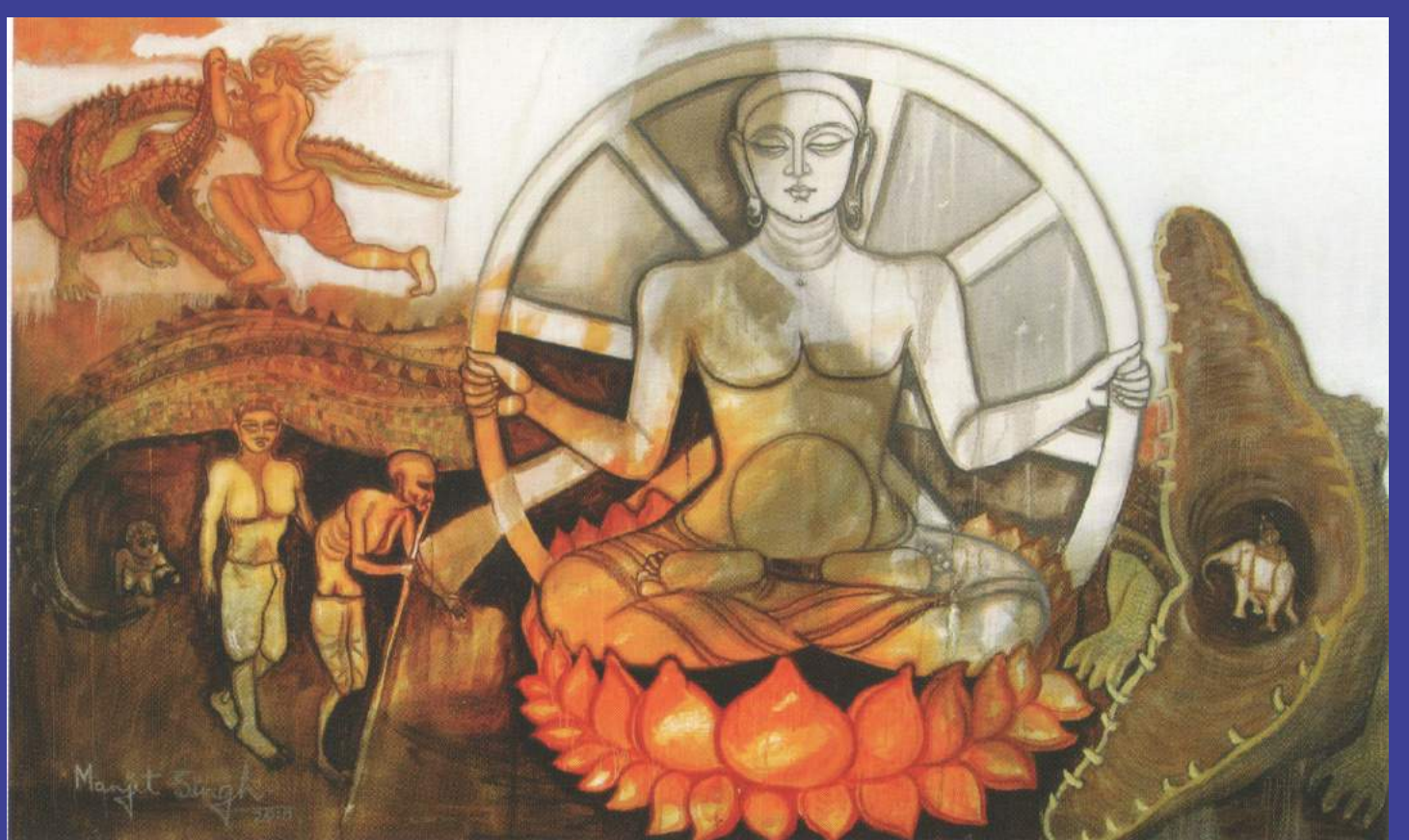
Manjit Singh

Manjit Singh

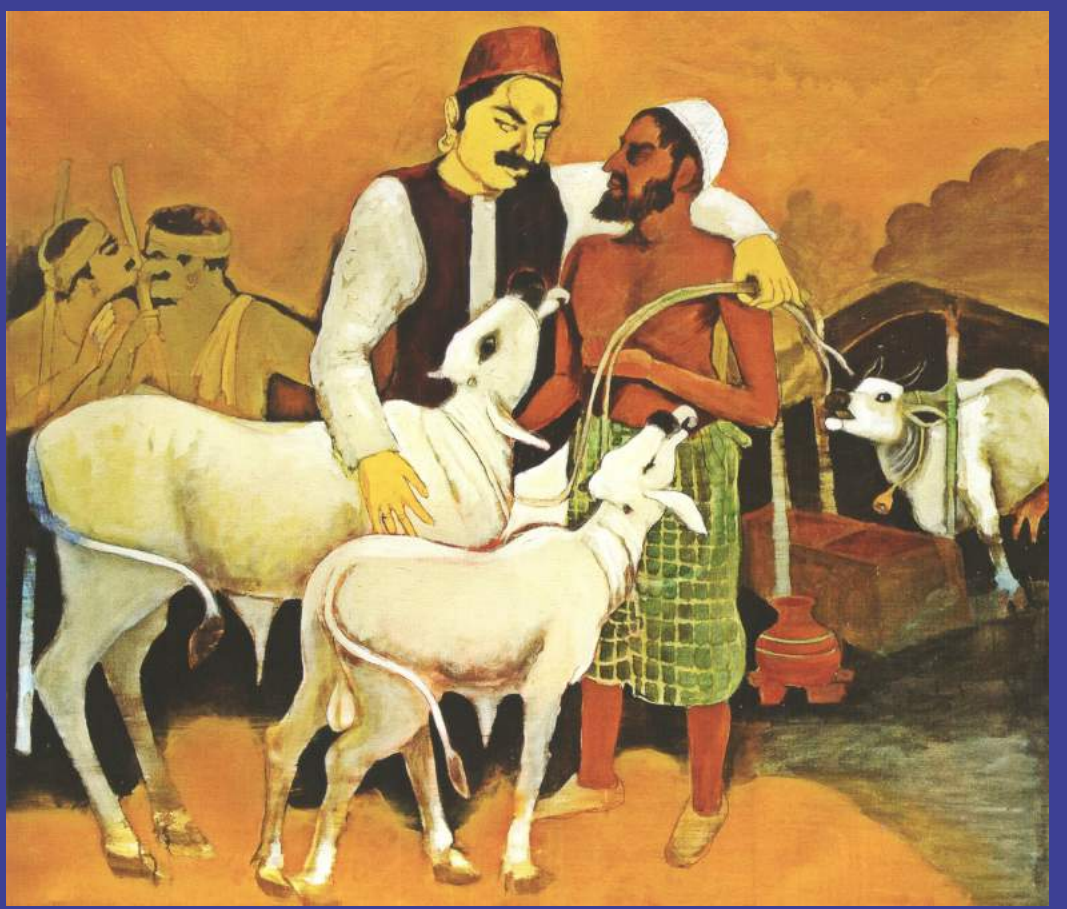

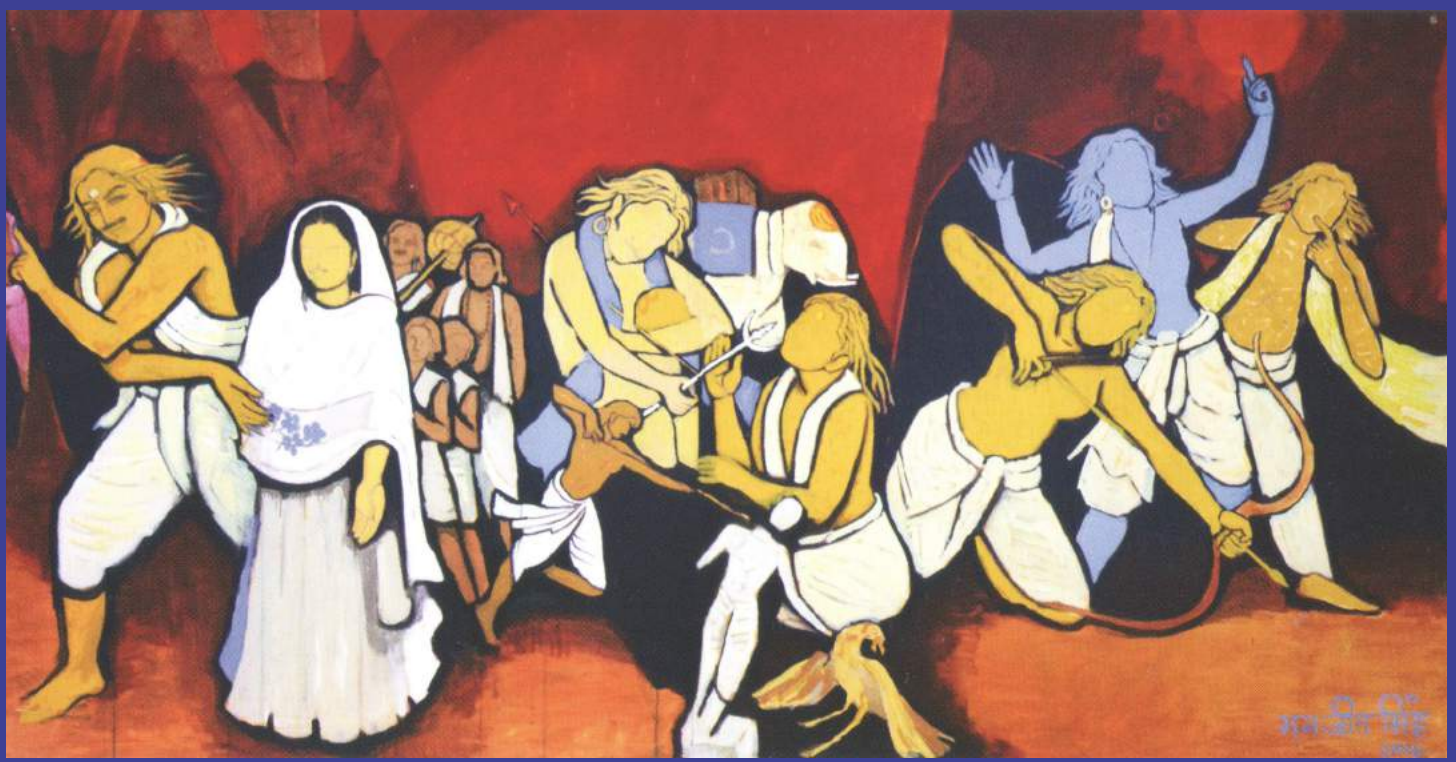

शांति

विश्व हिन्दी परिषद
हिन्दी बढ़े... हिन्दुस्तान बढ़े
नई दिल्ली

डॉ. बिपिन कुमार,
महासचिव,
विश्व हिन्दी परिषद
द्वारा लिखित

''देश को एक सूत्र में बांधती भाषा''
दैनिक जागरण में प्रकाशित

विश्व हिन्दी दिवस

देश को एक सूत्र में बांधती भाषा

प्रत्येक कर्मचारी और अधिकारी का यह कर्तव्य है कि वह अपने दैनिक कार्य व्यवहार में हिंदी को संपर्क भाषा के रूप में प्रोत्साहित करे। इससे समाज और प्रशासन में संवाद सुगम होगा

डॉ. बिपिन कुमार

विश्व हिन्दी दिवस 2016 की झलकियाँ

हिन्दी दिवस 2016 की झलकियाँ

विश्व हिन्दी दिवस 2017 की झलकियाँ

विश्व हिन्दी दिवस 2017 की झलकियाँ

हिन्दी दिवस 2017 की झलकियाँ

हिन्दी दिवस 2017 की झलकियाँ

विश्व हिन्दी दिवस 2018 की झलकियाँ